डॉ. कन्हैया त्रिपाठी

# जी-20

बड़ी हैं ख्वाईशें हमारी
हम जी-20
वृहद् स्वप्न हमारे हैं
हम जी-20
वसुधा की सुंदर सभ्यताएँ हम
पृथ्वी की सुंदर आशाएं हैं हम
जगत के नए प्रहतमान हम
गायेंगे अब प्रगहत का गान हम
बाधाओं से नहीं रुकेंगें हम
हम जी-20
लक्ष्य हमारा है शांति का,
लक्ष्य है नई क्रांति का,
लक्ष्य है सतत विकास का
लक्ष्य है सबके विस्तार का
अक्षुण हों सम्प्रभुताएं हमारी
हम जी-20
चाहत है प्रकृत से जुड़ने की
चाहत है जीवों के मुंगल की
आगे बढ़ने की अब चाहत है
चाहत है बस सबके सुख की
आओ करें नए संधान
हम जी-20
प्रण-वसुधैव कुटुम्बकम
हम जी-20
अभिनव अप्रतिम स्वागतम
हम जी-20

सोचो जब खुशियाँ सबमें आएँगी
भौरें गुनगुनायेंगे, चिड़ियाँ चाहचाहेंगी
सोचो जब होगी वह नई भोर
हम पकड़ें होंगे संग चलने की डोर

बेहतर सभ्यता बनायेंगे
हम जी-20
सबमें विश्वास जगायेंगे
हम जी-20

**पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिण्डा-151401**

 ISSN:2583-8849